RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 30 जनवरी 2025 वर्ष 06 अंक 288 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई: बीएमसी चुनावों में होगी अभी और अधिक देरी...

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र सरकार दो साल में 1 लाख घर बनाएगी

उपमुख्यमंत्री एवं आवास मंत्री एकनाथ शिंदे ने किया ऐलान...

मुंबई: महाराष्ट्र में आम जनता के अपने आशियाने के सपने को साकार करने के लिए महायुति सरकार एक बड़ी योजना पर काम कर रही है। इसका खुलासा राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं आवास मंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को किया। म्हाडा पुणे बोर्ड ने 3662 फ्लैटों की बिक्री के लिए कंप्यूटर लॉटरी निकाले जाने के मौके पर डीसीएम शिंदे ने कहा कि सरकार लोगों के घर के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके लिए अगले दो वर्षों में म्हाडा के माध्यम से राज्य में लगभग एक लाख घरों का निर्माण करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य की आवास नीति भी जल्द ही घोषित की जाएगी।

पुणे हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड (म्हाडा का एक घटक) ने सोलापुर जिले सहित पुणे, पिंपरी-चिंचवाड़ और पीएमआरडीए में विभिन्न आवास योजनाओं में 3,662 फ्लैटों की बिक्री के लिए एक कंप्यूटर लॉटरी आयोजित की थी।

इसका आयोजन ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय में डीसीएम शिंदे के हाथों तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे के पालक मंत्री अजित पवार, आवास राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर, म्हाडा पुणे बोर्ड के अध्यक्ष शिवाजीराव आढलराव पाटिल म्हाडा के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जायसवाल की उपस्थिति में किया गया।

डेढ़ साल में 30 हजार मकान

डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किफायती आवास का निर्माण कर रही है। यह सराहनीय है कि म्हाडा ने पिछले डेढ़ साल में 13 ड्रॉ के माध्यम से लगभग 30,000 घर उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं और झुग्गी पुनर्विकास को शुरू करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस चैनल के माध्यम से बड़ी मात्रा में आवास स्टॉक भी उपलब्ध होगा। सरकार मुंबई, पुणे और ठाणे शहरों में समूह पुनर्विकास योजना के माध्यम से योजनाबद्ध आवास निर्माण करने का प्रयास कर रही है। इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि पुणे बोर्ड द्वारा आज निकाले गए ड्रॉ को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया राज्य में किफायती आवास की आवश्यकता को उजागर करती है। यह म्हाडा की पारदर्शी लॉटरी प्रणाली में नागरिकों के विश्वास को भी दर्शाता है।

8 लाख घर बनाने की योजना

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार देशभर के चार राज्यों में ग्रोथ हब स्थापित करेगी। इनमें मुंबई महानगर क्षेत्र भी शामिल है। इसमें बड़ी संख्या में उद्योग, आईटी कंपनियां और सेवा क्षेत्र शामिल होंगे। इससे बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी तैयार होंगे। इस पृष्ठभूमि में, म्हाडा 8 लाख मकान बनाने जा रही है। इसके अलावा, नियोजित आवास निर्माण के तहत, कामकाजी महिलाओं, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न स्थानों पर किराये के घर और छात्रावास बनाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई शहर की भौगोलिक सीमाओं को ध्यान में रखते हुए, क्लस्टर पुनर्विकास के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल आवास निर्माण पर भी जोर दिया जाएगा। राज्य के नागरिकों के लिए एक अच्छे घर का सपना म्हाडा के माध्यम से पूरा हो रहा है, इस बात की उन्हें खुशी है।

नवी मुंबई के रेलवे स्टेशन पर लावारिश अवस्था में मिली नाबालिग...

नवी मुंबई : नवी मुंबई के रेलवे स्टेशन में एक 12 साल की लड़की लावारिश अवस्था में मिली। बाद में जांच में मालूम चला कि लड़की से दुष्कर्म किया गया है। पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। वाशी सरकारी रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों और लड़की के घरवालों की तलाश में जुट चुकी है। लड़की प्लेटफॉर्म में अकेली थी। पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस ने लड़की से पूछताछ की। वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिंदे ने कहा कि लड़की ने न तो अपना नाम बताया और न ही अपने परिवार के बारे में कोई जानकारी दी। लड़की को मेडिकल टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां मालूम चला कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता और उसके परिवार की पहचान और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है।

पवई इलाके में ब्लैकमेल कर 80 लाख रुपये की फिरौती...

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर व्यवसायी की पत्नी से भी शारीरिक संबंध बनाने की मांग की

मुंबई: मुंबई के पवई इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक व्यवसायी को उसके दोस्त ने ब्लैकमेल कर 80 लाख रुपये की फिरौती मांगी है. मामला यहीं नहीं रुका, आरोपी ने अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर व्यवसायी की पत्नी से भी शारीरिक संबंध बनाने की मांग की है. आरोपी पिछले छह महीनों से व्यवसायी और उसकी पत्नी को परेशान कर रहा था. आखिरकार, आरोपी की लगातार परेशानियों से तंग आकर पीड़ित व्यवसायी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने जान से मारने की धमकी, फिरौती और ब्लैकमेलिंग के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.

आरोपी का नाम जॉन परेरा है. आरोपी परेरा पिछले छह महीनों से पवई के व्यवसायी और उनकी पत्नी को ब्लैकमेल कर रहा था. मिली जानकारी के अनुसार आरोपी परेरा पीड़ित व्यवसायी का दोस्त है. उसके पास व्यवसायी के कुछ अश्लील वीडियो थे. इनमें व्यवसायी की पत्नी और उनकी सहेलियों के भी कुछ आपत्तिजनक फोटो थे. इन्हीं फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी आरोपी दे रहा था. आरोपी ने संबंधित फोटो वायरल करने की धमकी देकर व्यवसायी से 80 लाख रुपये की मांग की थी. पैसे नहीं देने पर सभी निजी फोटो व्यवसायी के रिश्तेदारों और ऑफिस के ग्रुप में वायरल करने की धमकी दी जा रही थी. अगस्त 2024 से जनवरी 2025 तक आरोपी लगातार ब्लैकमेल कर रहा था. आरोपी व्हाट्सएप पर कॉल करके ब्लैकमेल और धमकी दे रहा था.

आखिरकार, आरोपी की लगातार परेशानियों से तंग आकर पीड़ित व्यवसायी ने पवई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने जान से मारने की धमकी, ब्लैकमेलिंग और फिरौती के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. यह घटना अंधेरी इलाके में हुई थी, इसलिए पवई पुलिस ने यह मामला डी एन नगर पुलिस को सौंप दिया है. इस संबंध में कुछ सबूत भी पुलिस ने डी एन नगर पुलिस को सौंपे हैं.

सिद्धिविनायक मंदिर में अगले हफ्ते से छोटे स्कर्ट या शरीर को दिखाने वाले कपड़े पहनकर आने पर पाबंदी

मुंबई : प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में अगले हफ्ते से छोटी स्कर्ट या शरीर को दिखाने वाले कपड़े पहनकर आने पर पाबंदी होगी। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट (एसएसजीटीटी) ने मंगलवार को ड्रेस कोड की घोषणा की। एसएसजीटीटी ने कहा कि भक्तों को शाली और शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने होंगे। ट्रस्ट ने भारतीय परिधान पहनने की सलाह दी है। इसने आगे कहा कि अगले हफ्ते से जो भक्त कटे-फटे ट्राउजर, छोटी स्कर्ट या ऐसे कपड़े पहनकर आएंगे जो शरीर के हिस्सों को दिखाते हैं, उन्हें मंदिर के प्रभादेवी इलाके में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

ट्रस्ट ने यह भी कहा कि मंदिर रोजाना हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है और कई भक्तों ने मंदिर में पूजा के दौरान अनुशासन की कमी और अपमानजनक कपड़ों पर चिंता जताई थी। कई बार अनुरोध करने के बाद मंदिर ट्रस्ट ने यह ड्रेस कोड लागू करने का फैसला लिया, ताकि मंदिर की पवित्रता बनी रहे। इसने स्पष्ट किया कि इस फैसले का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सभी भक्तों को मंदिर में आने समय सुविधा महसूस हो और मंदिर परिसर की शालीनता बनाए रखी जा सके।

संपादकीय...

कोटखाई के कंकाल

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

वो मनहूस दिन तो गुजर गया, लेकिन कितने ही जनाजे छोड़ गया। एक सिहरन उस वक्त भी उठी थी जब कोटखाई के जंगल में हिमाचल की आंखों ने वहशीपन देखा। इस खबर के कई कंकाल उभरे और मातम के कई काल उभरे। रौंगटे खड़े कर देने की वारदात का हर सफा जालिम निकला और कानून व्यवस्था के पैगंबर अंजाम तक पहुंचते-पहुंचते मुजरिम निकले। एक पूरी पुलिस छानबीन की एसआईटी टीम को उम्रकैद, पुनः सिहरन पैदा करती है। इनमें अधिकारी, कुछ युवा पुलिस कर्मी और प्रोफेशन की महत्त्वाकांक्षा से ओतप्रोत विभागीय कसौटियां भी रही हैं। आश्चर्य यह कि एक ही मामले ने कई गुनाह समेट लिए और हिरासत की निगरानी में जांच का कातिल चेहरा, नेपाली मूल के सूरज के खून का दोषी करार हो गया। जिन्हें उम्रकैद हुई, उनकी पृष्ठभूमि में जोखिम उठाने का साहस, प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने की क्षमता और महकमे के विश्वस्त कंधे बनने का हुनर रहा होगा, वरना एक मामले की पड़ताल में अति साहस यह दुराचार न करता। पूर्व आईजी जहूर हैदर जैदी व डीएसपी मनोज जोशी का करियर चमक रहा था, लेकिन अपनी ही सीमाओं के उल्लंघन में ये पुलिस अधिकारी पकड़े गए। मनोज जोशी तो तहसीलदार का पद छोडकर पुलिस का पदक पाने की अभिलाषा में वर्दी में आया था, लेकिन अब उम्रकैद की खबर ने सब कुछ छीन लिया। कोटखाई प्रकरण हिमाचल के इतिहास में हमेशा जिंदा रहेगा।

इसके अध्यायों में एक मासूम बेटी के आंसू, एक निर्दोष मजदूर की हिरासत में हुई मौत का मातम और कानून व्यवस्था पर लगे दाग हमेशा गूंजते रहेंगे। सजा के पात्र बने पुलिस कर्मी सिर्फ एक मुकाम पर फिसल गए। जल्दबाजी, अति उत्साह, सत्ता से गलबहियां, विपक्ष के सवाल और जनता का उबाल, उस वक्त की कमजोरी का जवाब ढूंढते आज जहां पहुंचा, वहां मीडिया का जिक्र होना चाहिए। उस वक्त अगर कोई संतुलित संवाद कर रहा था, तो वह मीडिया था, खास तौर पर महत्त्वपूर्ण अखबार जो न्याय के हर पक्ष के साथ खड़े थे, लेकिन कसौटियों की फेहरिस्त में यह वर्ग बुरी तरह ह्यटारगेटह्ल में रहा। बेशक न्याय का सबसे मजबूत पक्ष चंडीगढ़ की सीबीआई अदालत में दिखा, लेकिन इस बीच हिमाचल की अदालतों में कई कठघरे सिर्फ कोटखाई रिपोर्टिंग के खिलाफ खड़े हुए। उस वक्त की सुर्खियां आरोपों से घिर गईं और जो लोग कोटखाई अपराध के छींटों से बच रहे थे, वे भी मीडिया में गुनाह खोज रहे थे। कम से कम तीन-चार बड़े अखबारों के पत्रकार और संपादक, कोटखाई की सुर्खियों के कारण अभी अदालती मामलों से जूझ रहे हैं। हमने यह उल्लेख इसलिए किया कि अब प्रोफेशन की संगत में मीडिया की हैसियत को कोई भी कानूनी प्रक्रिया में उलझा सकता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

भारी यातायात के कारण पश्चिमी एक्सप्रेसवे का कंक्रीटीकरण असंभव है...

मुंबई: पश्चिमी उपनगरों से गुजरने वाले वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर भारी यातायात के कारण, इस मार्ग को कंक्रीट करना असंभव है और इसके मार्ग को केवल पुन: बनाया जाएगा। यह मार्ग कुछ महीने पहले एमएसआरडीसी द्वारा नगर पालिका को हस्तांतरित कर दिया गया था। यद्यपि यह सड़क कई स्थानों पर खराब स्थिति में है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इस मार्ग पर कंक्रीट नहीं बनाया जा सकता।

मुंबई में सड़कों की कुल लंबाई 2050 किलोमीटर है और सभी सड़कों पर चरणबद्ध तरीके से सीमेंट कंक्रीट बिछाने का काम चल रहा है। इसके अलावा, पूर्वी और पश्चिमी एक्सप्रेसवे को नवंबर 2022 में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा मुंबई नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया गया। ये दोनों राजमार्ग व्यस्त मार्ग हैं। ये दोनों मार्ग रोजाना मुंबई आने-जाने वाले वाहनों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इन दोनों मार्गों में से पूर्वी एक्सप्रेसवे बेहतर स्थिति में है। हालाँकि, पश्चिमी एक्सप्रेसवे को समतल करने की आवश्यकता है। इस मार्ग का हाल ही में नगर आयुक्त भूषण गगरानी ने निरीक्षण किया था। उस समय इस बात पर चर्चा हुई कि राजमार्ग की मरम्मत के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। प्रत्येक प्रभाग में फुटपाथ, सड़क विभाजक और किनारों का डिजाइन अलग-अलग है। इसमें एकरूपता होनी चाहिए। सड़क विभाग को इसके लिए नीति तैयार करनी चाहिए। गगरानी ने सुझाव दिया कि इसे विभागीय कार्यालयों द्वारा क्रियान्वित किया जाना चाहिए। बांद्रा से दहिसर तक पश्चिमी एक्सप्रेसवे 25 किलोमीटर लंबा है और मुंबई नगर निगम के नौ वार्डों से होकर गुजरता है। इस सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी अब मुंबई नगर निगम के पास है। इस सड़क की मरम्मत की जरूरत है। हालांकि नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस सड़क पर प्रतिदिन इतने वाहन चलते हैं कि इस सड़क को कंक्रीट से पक्का करना संभव नहीं है। कंक्रीटिंग का काम छोटे-छोटे हिस्सों में किया जाता है। उस क्षेत्र को कम से कम 20 से 30 दिनों के लिए बंद करना होगा। नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि चूंकि पश्चिमी एक्सप्रेसवे को बंद करना असंभव है, इसलिए एकमात्र विकल्प मार्ग पर माइक्रोसर्फेसिंग या डामरीकरण करना है।

इंटरनेट पर सर्च किया था कि "मृत्यु के बाद क्या होता है" 17 वर्षीय लड़की ने कर ली आत्महत्या

नागपुर : 17 वर्षीय लड़की ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने इंटरनेट पर सर्च किया था कि ''मृत्यु के बाद क्या होता है''। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लड़की एक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ती थी और अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। अक्सर इंटरनेट पर मृत्यु और विदेशी संस्कृतियों के बारे में सर्च करती रहती थी। पुलिस ने बताया कि उसने पहले कथित तौर पर चाकू से अपनी कलाई पर वार किया और ऑनलाइन ऑर्डर किए गए 'स्टोन ब्लेड चाकू' से क्रॉस के निशान बनाए। इसके बाद उसने अपनी जान देने के लिए अपना गला रेत लिया। पुलिस ने बताया कि उसकी मां ने उसे बेडरूम में खून से लथपथ पाया और शोर मचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। धंतोली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया और उसकी जांच करने पर पता चला कि वह गूगल पर ''मृत्यु के बाद क्या होता है'' के बारे में जानकारी सर्च कर रही थी।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यूक्रेनी अभिनेता आर्मेन एटेन को किया गिरफ्तार

मुंबई : पुलिस ने मंगलवार को टोरेस निवेश धोखाधड़ी मामले में यूक्रेनी अभिनेता आर्मेन अटेन को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह गिरफ्तारी की है. वहीं, एक अधिकारी ने बताया, 'मामले में उसकी भूमिका सामने आने के बाद अटेन को पश्चिमी उपनगर मालवानी से गिरफ्तार किया गया.' इसके साथ ही पुलिस ने टोरेस निवेश घोटाले के सिलसिले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. अधिकारी ने बताया, 'अटेन यूक्रेन के लोगों और भारतीयों के बीच मुख्य कड़ी था. उसने यूक्रेन के लोगों को भारतीयों से मिलवाया और मुंबई में टोरेस स्टोर खोलने के लिए दो अहम बैठकों में भी शामिल हुआ था.'पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी बैठकों के संचालन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी.

कंपनी के सीईओ को किया जा चुका है अरेस्ट

पुलिस के अनुसार अटेन और एक अन्य यूक्रेनी नागरिक ने निवेशकों को आकर्षक रिटर्न का लालच देने की साजिश रचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने सोमवार को कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तौसीफ रियाज को पुणे जिले के लोनावाला से गिरफ्तार किया था. उन्होंने बताया कि बाकी बचे हुए आरोपियों की तलाश जारी है. टोरेस ज्वैलरी स्टोर्स की विभिन्न योजनाओं में निवेश करने वाले सैकड़ों निवेशकों के साथ करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गई. अधिकारियों के अनुसार, अब तक 3,700 से अधिक निवेशक धोखाधड़ी की शिकायत लेकर मुंबई पुलिस के पास पहुंचें.

मुंबई: बीएमसी चुनावों में होगी अभी और अधिक देरी...

अक्टूबर-नवंबर में स्थानीय निकायों चुनाव संभव

मुंबई: मुंबई महानगरपालिका सहित राज्य के सभी स्थानीय निकाय के चुनाव अप्रैल में होने की संभावनाएं खत्म हो गई है क्योंकि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण और वार्ड पुनर्गठन की याचिका पर सुनवाई 25 फरवरी तक टाल दी है। अब माना जा रहा है कि स्थानीय निकायों के चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं मुंबई में आखिरी बार 2017 में चुनाव हुए थे। तब उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली अविभाजित शिवसेना सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। उसे 84 सीटें मिली थी। बीजेपी को 82 और कांग्रेस को 31 सीटें मिली थी। एनसीपी और 9 और मनसे को 7 सीटों पर जीत मिली थी। दो सीटों पर एआईएमआईएम विजयी हुई थी।

बीएमसी में सरकार की सत्ता

मुंबई महानगरपालिका का पूरा कारोबार अपरोक्ष रूप से राज्य सरकार कर रही है। हालांकि, महाराष्ट्र में सभी राजनीतिक दलों ने स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी है, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने राजनीतिक दलों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। पिछले दो साल से सुप्रीम कोर्ट तारीख

पर तारीख ही दे रहा है। मंगलवार 28 जनवरी 2025 को केस की सुनवाई होनी थी, लेकिन इसे 25 फरवरी 2025 तक टाल दिया गया है।

पहले जगी थी जल्द चुनाव की उम्मीद

अब इससे साफ है कि स्थानीय निकाय के चुनाव अप्रैल-मई 2025 में कराना मुश्किल है। उसके बाद ही मॉनसून शुरू हो जाएगा इसलिए कहा जा रहा है कि मॉनसून के बाद ही स्थानीय निकाय के चुनाव संभव है। फिलहाल मुंबई सहित पुणे, पिंपरी-चिंचवड जैसे महत्वपूर्ण शहरों सहित राज्य की 23 महा नगर पालिकाओं पर प्रशासनिक शासन लागू है। विपक्ष चुनाव कराने की मांग कर चुका है। विधानसभा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद यह माना गया था कि चुनाव जल्द होंगे लेकिन मामला कानूनी दांवपेच में फंस हुआ है।

पैसे के लेन-देन की वजह से आठ से नौ लोगों ने एक युवक की पीट-पीटकर हत्या!

मुंबई : घाटकोपर इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां पैसे के लेन-देन की वजह से हुए विवाद में आठ से नौ लोगों ने एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी. पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान हर्ष लालन के रूप में हुई है. इस मामले में पंतनगर थाने में 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. जबकि अन्य आरोपी फरार हैं. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहिद अंसारी, पुट्टी स्वामी गौड़ा, भगवान सिंह, सुनील कुमार रुवानी, राजेश यादव, सोहेल शेख और अमर पाटिल के रूप में हुई है. पंतनगर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, किरण जयंतीलाल लालन (60) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार वो और उनका लड़का घाटकोपर ईस्ट में संतोष शेट्टी के हेडक्वार्टर रेस्टोरेंट और बार में किसी काम से गए थे. इस दौरान उनके बेटे हर्ष का वित्तीय लेन-देन को लेकर बार के मैनेजर से झगड़ा हो गया. इस बीच बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर मैनेजर ने हर्ष को गाली देना शुरू कर दिया.

मुंबई : बेवफाई का शक... पत्नी और बेटे का नायलॉन की रस्सी से घोंटा गला

मुंबई : कांदिवली से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 40 वर्षीय शख्स ने अपनी पत्नी की नायलॉन की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। मां को मारते हुए उसके बेटे ने देख लिया तो शख्स ने उसकी भी हत्या कर दी। हैरानी की बात है कि दोनों को मारने के बाद शख्स ने उनकी लाशों को उसी नायलॉन की रस्सी से फांसी के फंदे पर लटका दिया और पुलिस को यह जताया कि उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली है और उससे पहले उसी ने बेटे को मारा। हालांकि वह फंस गया। कांदिवली (पूर्व) स्थित घर में 36 वर्षीय महिला और उसका आठ वर्षीय बेटे का शव लटका हुआ पाया गया था। पुलिस को इस मामले में पहले बताया गया कि महिला ने आत्महत्या की और उससे पहले उसने अपने बेटे की हत्या की। इस घटना ने नरसीपाड़ा के आवासीय इलाके में सनसनी फैला दी है।

पुलिस ने बताया कि शिवशंकर एक टेंपो चालक है, जबकि पुष्पा गृहिणी थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि बच्चा कक्षा 2 में पढ़ता था और पढ़ाई में होशियार था। सोमवार की सुबह शिवशंकर ने एक पड़ोसी को फोन किया और कहा कि वह काम से बाहर गया हुआ है। उसने अपने पड़ोसी से कहा कि वह उसके घर जाए क्योंकि उसकी पत्नी और बेटा कोई उसकी कॉल का जवाब नहीं दे रहे हैं।

पड़ोसी उनके घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। जोर-जोर से दरवाजा पीटने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। फिर उसने खिड़की पर हाथ मारा तो वह खुल गई। पड़ोसी ने अंदर झांका तो रोंगटे खड़े हो गए। मां-बेटे की लाश फांसी के फंदे से झूल रही थी। पड़ोसी ने शिवशंकर को सूचना दी, जो कुछ ही देर बाद वहां पहुंचा। इधर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मां-बेटे की लाशें नीचे उतारकर फर्श पर रख दी गई थीं। पुलिस ने पति से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने पाया कि वह विरोधाभासी बयान दे रहा है। पुलिस को घर में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि उन्होंने देखा कि महिला और बच्चे की गर्दन पर जो निशान देखे गए थे, वे असामान्य थे और इसलिए उन्होंने फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ली।

पूछताछ के दौरान पति ने स्वीकार किया कि उसने पहले पत्नी का और बाद में अपने बेटे का नायलॉन की रस्सी से गला घोंटा था। शिवशंकर दत्ता ने पुलिस को बताया कि उसे अपनी पत्नी पुष्पा पर बेवफाई का शक था इसलिए उसने उसकी हत्या कर दी। वह अपने बेटे को नहीं मारना चाहता था लेकिन उसने उसे पुष्पा को मारते हुए देख लिया था। उसे डर था कि उसका बेटा सायन सबको उसकी करतूत के बारे में बता देगा इसलिए उसने उसे भी मार दिया।

मीरा भयंदर इलाके में निमार्णाधीन मेट्रो लाइन के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

ठाणे: पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम को ठाणे जिले के मीरा भयंदर इलाके में निमार्णाधीन मेट्रो लाइन के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। कुछ राहगीरों ने गोल्डन नेस्ट इलाके के पास शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

सीएसएमटी और मस्जिद स्टेशन के बीच आर ओबी के निर्माण के लिए 3 घंटे के आपातकालीन ब्लॉक का फैसला

मुंबई : लोकल ट्रेन की लास्ट लोकल से सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह खबर बेहद अहम है। सीएसएमटी से 29 जनवरी यानी आज लास्ट लोकल रात 12.24 बजे के बजाए 12.12 बजे रवाना होगी। मध्य रेलवे ने सीएसएमटी और मस्जिद स्टेशन के बीच कार्नैक आरओबी के निर्माण के लिए 3 घंटे के आपातकालीन ब्लॉक लेने का फैसला लिया है। ब्लॉक के दौरान आरओबी पर गर्डरों के समायोजन के कार्य को पूरा किया जाएगा।

सीएसएमटी और मस्जिद स्टेशन के बीच रात 12.30 बजे से 3 बजे तक का यह ब्लॉक होगा। ब्लॉक के दौरान मेन लाइन पर भायखला से सीएमएमटी, हार्बर लाइन पर वडाला से सीएमएमटी के बीच उपनगरीय सेवा उपलब्ध नहीं होगी। मेन लाइन पर अप और डाउन की सेवा भायखला, परेल, दादर और कुर्ला स्टेशन पर समाप्त कर दी जाएगी। वहीं हार्बर लाइन की वडाला रोड स्टेशन पर समाप्त होंगी।

ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित 81 स्कूलों की सूची जारी...

ठाणे : महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित 81 स्कूलों की सूची जारी की है। इसमें एक मराठी, दो हिंदी और 78 अंग्रेजी माध्यम के स्कूल शामिल हैं। खास बात यह है कि सूची में सबसे ज्यादा 55 स्कूल दिवा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित होने की बात सामने आई है। अगर इन स्कूलों को तुरंत बंद नहीं किया गया तो प्रशासनिक और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर शहरीकरण हुआ है। घोड़बंदर क्षेत्र में बड़े-बड़े आवासीय परिसर बन गए हैं। महानगरपालिका के द्वार पर स्थित दिवा क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर शहरीकरण हुआ है। ठाणे महानगरपालिका की आबादी 2.5 लाख को पार कर गई है। बढ़ते शहरीकरण के साथ ही पिछले कुछ सालों में शहर में अवैध स्कूल खुलने लगे हैं। ऐसे अवैध स्कूलों में दाखिला लेकर छात्रों का शैक्षणिक साल बर्बाद न हो, इसके लिए महानगरपालिका प्रशासन पिछले कुछ सालों से अवैध स्कूलों की सूची जारी कर रहा है। इस वर्ष भी नगर पालिका ने शहर में अवैध स्कूलों की सूची घोषित की है और उसके अनुसार यह पता चला है कि पूरे नगर पालिका क्षेत्र में 81 स्कूल अवैध रूप से चल रहे हैं।आरंभ इंग्लिश स्कूल, अगापे इंग्लिश स्कूल, नालंदा हिंदी विद्यालय, रेनबो इंग्लिश स्कूल, सिम्बायोसिस हाई स्कूल, जीवन इंग्लिश स्कूल, एम.एस इंग्लिश स्कूल, कुबेरेश्वर महादेव इंग्लिश स्कूल, आर.एल.पी हाई स्कूल, आदर्श हाई स्कूल, श्री दत्तात्रेय कृपा इंग्लिश स्कूल, एम.आर.पी इंग्लिश स्कूल, एस.एस मेमोरियल इंग्लिश स्कूल, ओम साईं इंग्लिश स्कूल, स्टार इंग्लिश हाई स्कूल, श्री विद्या ज्योति इंग्लिश स्कूल, कैम्ब्रिज इंग्लिश स्कूल, पब्लिक इंग्लिश स्कूल, पब्लिक मराठी स्कूल, तिवकल स्टार इंग्लिश स्कूल, होली एंजल इंग्लिश स्कूल, आर्य गुरुकुल इंग्लिश स्कूल, सेंट साइमन हाई स्कूल, शिवदीक्षा इंग्लिश स्कूल, श्री राम कृष्ण इंग्लिश स्कूल अवैध स्कूलों की सूची में ब्रिलेट इंग्लिश स्कूल, न्यू मॉडर्न स्कूल, एस. डी.के इंग्लिश स्कूल, डॉन बॉस्को स्कूल, मदर टच, लिटिल विंग्स, आर. एम. फाउंडेशन, कुबेरेश्वर महादेव, जीनियस, ऑर्बिट इंग्लिश स्कूल, जागृति विद्यालय सेमी इंग्लिश स्कूल, नंदछाया विद्यानिकेतन, सेंट साइमन हाई स्कूल, अलहादी मकतब और पब्लिक स्कूल (अंग्रेजी माध्यम), होलो ट्रेनेटो हाई इंग्लिश स्कूल, एस.जी. इंग्लिश स्कूल, अलहिदया पब्लिक स्कूल, ड्रीम वर्ल्ड इंग्लिश स्कूल, प्रभावती इंग्लिश स्कूल, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, बुरहानी स्मार्ट चैंप, लिटिल एंजेल्स प्राइमरी स्कूल, आयशा इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, द कैम्पेनियन हाई स्कूल, ईवा वर्ल्ड स्कूल, गुरुकुल ब्राइट ब्लर्ड स्कूल, खैबर इंग्लिश स्कूल, गौतम सिंघानिया स्कूल (घोड़बंदर), जोरेज इंग्लिश एंड इस्लामिक स्कूल, अशरफी स्कूल, अल-हमद इंग्लिश स्कूल, 'मैनिटी पब्लिक स्कूल, आयशा इंग्लिश स्कूल, एम.एम. पब्लिक स्कूल, हसरा इंग्लिश अकादमी शामिल हैं।

ठाणे : सत्र न्यायालय ने 292 जीवित कम तीव्रता वाले बमों को नष्ट करने का आदेश दिया

ठाणे : सत्र न्यायालय ने जंगली सूअरों को मारने के लिए इस्तेमाल किए गए 292 जीवित कम तीव्रता वाले बमों के निपटान के लिए राबोडी पुलिस द्वारा दायर एक आवेदन को स्वीकार कर लिया है, जिन्हें ठाणे अपराध शाखा ने दिसंबर, 2024 में बरामद किया था। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि लगातार खतरा पैदा करने वाले बमों को विस्फोटक अधिनियम, 1988 में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार नष्ट करने के लिए विस्फोटक नियंत्रक को भेजा जाना चाहिए। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, ''पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों पर छापा मारा और मुख्य रूप से जंगली सूअरों को मारने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 292 जीवित बम बरामद किए। इन बमों को कानून का उल्लंघन करते हुए संग्रहीत और निपटाया गया था। प्रक्रिया के अनुसार, ऐसे विस्फोटकों को नष्ट किया जाना चाहिए और अवशेषों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाना चाहिए। उत्पन्न खतरे को देखते हुए, जब्त किए गए बमों को 1988 अधिनियम के तहत नष्ट करने के लिए विस्फोटक नियंत्रक को भेजा जाना चाहिए।''

तीन व्यक्ति- सुभाष गजानन पहलकर (45), रायगढ़ निवासी; पलिश सिकारे (37); और मुरीबाई उर्फ मुरलीबाई पलिश (32), जो मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं, लेकिन सतारा में रहती हैं, को देसी कम तीव्रता वाले बम रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मुख्य आरोपी सुभाष को 2 दिसंबर, 2024 को साकेत ग्राउंड से एक व्यक्ति द्वारा जंगली सूअर के शिकार के लिए बम ले जाने की सूचना मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। शुरूआत में, सुभाष से 10 बम जब्त किए गए, आगे की जांच में कुल 292 विस्फोटक बरामद हुए, जिनकी कीमत लगभग ₹2.92 लाख थी। जांच में पता चला कि आरोपियों ने दावा किया था कि विस्फोटकों का इस्तेमाल किसान जंगली सूअरों के हमलों से अपनी जमीन की रक्षा के लिए एक हताश उपाय के रूप में कर रहे थे। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। राबोडी पुलिस ने विस्फोटकों को नष्ट करने की अनुमति के लिए शुरू में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) के समक्ष एक आवेदन दायर किया। जेएमएफसी द्वारा आवेदन खारिज किए जाने के बाद, पुलिस ने ठाणे सत्र न्यायालय में अपील की। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि विस्फोटक अधिनियम, 1988 विस्फोटक नियंत्रक को बरामद विस्फोटकों को संभालने और नष्ट करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में नामित करता है।

विक्रोली इलाका टेब्यूबिया फूलों से खिल उठा

मुंबई : ईस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर छेड़ा नगर से विक्रोली तक के क्षेत्र में इस बार भी गुलाबी रंग के टेब्यूबिया फूलों से वातावरण बिखर गया है। वसंत ऋतु में हर साल इन फूलों का बिखराव देखने को मिलता है और इस बार भी यह फूल पूरे रास्ते को आकर्षक बना रहे हैं। मनपा ने कुछ साल पहले ईस्टर्न एक्सप्रेस वे के मध्य में डिवाइडर पर विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधे लगाए थे। जिनमें 'बसंत रानी'नामक पौधे भी शामिल हैं। लगभग 25 से यह टेब्यूबिया वृक्ष 30 फुट ऊंचे होते हैं और हर साल वसंत ऋतु में इन पर बहर आता है। इस बार भी छेड़ा नगर से विक्रोली तक यह फूल खिले हैं, जो कि इस मार्ग पर चलने वालों को सुंदर दृश्य का आनंद देने का काम कर रहे हैं। पिछले सात वर्षों से यह पौधे वसंत ऋतु में खिलते हैं।

मुंबई में कुल 29 लाख 75 हजार 283 पेड़-पौधे हैं जिनमें 6500 से अधिक 'बसंत रानी'पौधे भी शामिल हैं। इस पौधे का वैज्ञानिक नाम 'टेब्यूबिया पेंटाफायला'है, जबकि इसे अंग्रेजी में 'पिंक ट्रम्पेट', 'पिंक पाऊल'और 'पिंक टिकोमा'जैसे नामों से जाना जाता है। इस तरह की जानकारी उद्यान अधीक्षक जितेंद्र परदेशी ने दी।

मनपा फेरीवालों के खिलाफ हुई सख्त...

544 अवैध ठेले, 968 सिलेंडर किए जब्त !

मुंबई : मनपा ने अवैध फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मनपा ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत पिछले सात दिनों में विभिन्न विभागों में फेरीवालों पर कठोर कार्रवाई की है। मनपा ने इस दौरान फेरीवालों के लगभग 2,763 किलो सामान जब्त किए हैं। मनपा ने फेरीवालों की 544 चार पहिया हाथ गाड़ियां, 968 घरेलू गैस सिलेंडर और 1,251 अन्य वस्तुएं जब्त हैं। मुंबई हाईकोर्ट के निर्देश पर मुंबई की सीमा के भीतर 20 अति व्यस्त स्थानों जिसमे रेलवे स्टेशन स्कूल अस्पताल आदि इलाके शामिल किए गए हैं, उन्हें फेरीवालों से मुक्त रखने का निर्णय लिया गया है।

फुटपाथों और सड़कों के उपयोग में बाधा

मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि फेरीवाले मुंबईकरों के फुटपाथों और सड़कों के उपयोग में बाधा डालते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थ खुले में बेचते हैं। ऐसे फेरीवालों के खिलाफ मनपा लगातार कार्रवाई कर रही है। मनपा उपायुक्त चंदा जाधव ने बताया कि 17 से 24 जनवरी तक सात दिनों के दौरान चलाए गए अभियान में विभिन्न इलाकों क में चार पहिया गाड़ियां, सिलेंडर और चूल्हे, पैन, मशीन आदि जब्त किए गए हैं। मनपा का यह अतिक्रमण विरोधी अभियान प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे के बीच चलाया गया। मनपा की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहने की जानकारी उन्होंने दी।

ठाणे: वागले एस्टेट में नाले पर स्लैब बिछाकर सड़क निर्माण....

ठाणे: नगर निगम वागले एस्टेट क्षेत्र में रोड नंबर 22 पर पासपोर्ट कार्यालय के पास नाले पर स्लैब बिछाने और उसके ऊपर सड़क बनाने का काम कर रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यह सड़क कचरा स्थानांतरण केंद्र तक ले जाने के लिए बनाई जा रही है। एक ओर नागरिक यह भी पूछ रहे हैं कि नाले पर सड़क का निर्माण कैसे किया जा रहा है, जबकि इस कचरा स्थानांतरण केंद्र को हटाने के लिए उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है।

नगरपालिका का वागले एस्टेट के सीपी झील क्षेत्र में एक अपशिष्ट स्थानांतरण केंद्र है। इस केंद्र पर शहर के विभिन्न हिस्सों से कचरा एकत्र कर उसकी छंटाई की जाती है। यहां कूड़े का एक बड़ा ढेर बन गया है। यहाँ दिन भर बेल ट्रेनें चलती रहती हैं। हालांकि यह सड़क पहले से ही संकरी है, लेकिन व्यस्त समय में यातायात के कारण इस मार्ग पर भारी जाम लग जाता है। एक ओर, स्थानीय नागरिक कई वर्षों से क्षेत्र में कचरे के कारण उत्पन्न दुर्गंध और यातायात की भीड़ से परेशान हैं। पिछले तीन वर्षों से नागरिक लगातार विरोध प्रदर्शन, मार्च और भूख हड़ताल के माध्यम से इस कचरा स्थानांतरण केंद्र को बंद करने की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है। फिर भी नागरिक पूछ रहे हैं कि कचरा स्थानांतरण केंद्र तक जाने वाली सड़क का निर्माण कैसे किया जा रहा है। वागले एस्टेट रोड नंबर 22 पर पासपोर्ट कार्यालय के पास एक बड़ा नाला है। मानसून के दौरान पहाड़ों से भारी मात्रा में पानी इस धारा में बहता है। इसलिए बरसात के दिनों में अक्सर इस सड़क पर पानी जमा हो जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर बचाते ने संभावना जताई है कि यदि इस नाले पर स्लैब डालकर सड़क बनाई गई तो इस मानसून सीजन में नागरिकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर 21.97 करोड़ रुपये की 2197 ग्राम कोकीन जब्त

तीन युगांडा नागरिकों को हिरासत में लिया

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर तीन युगांडा नागरिकों को हिरासत में लिया, जिनके पास से 21.97 करोड़ रुपये की 2197 ग्राम कोकीन जब्त की गई । एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि युगांडा के नागरिकों के एक गिरोह द्वारा भारत में मादक पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश की जा रही थी, इस खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई मुंबई के अधिकारियों ने एंटेबे से मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे तीन एंटेबे से मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे तीन युगांडा नागरिकों को हिरासत में लिया । पूछताछ करने पर तीनों ने भारत में तस्करी के लिए नशीली दवाओं से युक्त कैप्सूल खाने की बात स्वीकार की। बयान में कहा गया कि उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और अदालत के आदेश के अनुसार उन्हें पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने आगे बताया कि तीनों ने 2197 ग्राम कोकीन युक्त 170 कैप्सूल जब्त किए , जिसकी अवैध बाजार में कीमत 21.97 करोड़ रुपये है। इसे एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत जब्त कर लिया गया और तीनों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच जारी है। मामले पर और अपडेट की प्रतीक्षा है।

भिवंडी ट्रैफिक विभाग ने दंडात्मक कार्रवाई से वसूले 15.65 करोड़

भिवंडी : भिवंडी शहर और पुलिस उपायुक्त परिमंडल क्षेत्र में बढ़ती ट्रैफिक समस्या के बीच ट्रैफिक विभाग ने तीन पुलिस थानों के अंतर्गत कुल 15 करोड़ 65 लाख 5 हजार 100 रुपए का दंड वसूला है। यह वसूली नो-पार्किंग, भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक, बिना हेलमेट वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे मामलों में की गई है। इस दौरान सबसे अधिक कार्रवाई कोनगांव ट्रैफिक शाखा ने की, जिसमें 73,708 मामलों में 7 करोड़ 22 लाख 3 हजार 950 रुपए का दंड वसूला गया। इसके बाद भिवंडी ट्रैफिक शाखा ने 55,296 मामलों में 4 करोड़ 39 लाख 65 हजार 650 रुपए और नारपोली ट्रैफिक शाखा ने 64,042 मामलों में 4 करोड़ 3 लाख 35 हजार 500 रुपए की वसूली की. तीनों ट्रैफिक शाखाओं ने कुल मिलाकर 1,93,046 मामलों में कार्रवाई की और 15 करोड़ 65 लाख 5 हजार 100 रुपए का दंड वसूला। इस कार्रवाई से क्षेत्र में यातायात नियमों के पालन को लेकर सख्ती का संकेत दिया गया है।

मुंबई-गोवा राजमार्ग मानसून से पहले तैयार हो जाएगा...

मुंबई: मुंबई-गोवा राजमार्ग के कासू से इंदापुर खंड को छोड़कर शेष राजमार्ग मानसून से पहले तैयार हो जाएगा। इस राजमार्ग का विकास कुल 12 चरणों में किया जा रहा है और इनका काम औसतन 92 प्रतिशत पूरा हो चुका है। हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इन कार्यों को मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

इस राजमार्ग का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। कुल 439.88 किमी में से 84.60 किमी (पनवेल से इंदापुर) का निर्माण एनएचएआई द्वारा दो चरणों (पैकेजों) में किया जा रहा है। शेष 355.60 किलोमीटर मार्ग का निर्माण मंत्रालय द्वारा सीधे दस चरणों में किया जा रहा है। बारह चरणों में से चार चरण शत-प्रतिशत पूरे हो चुके हैं। इन चार चरणों को छोड़कर शेष आठ चरणों का काम औसतन 83 प्रतिशत पूरा हो चुका है, ऐसा एनएचएआई और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के संबंधित अधिकारियों ने बताया है।

इस पूरे राजमार्ग का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा रत्नागिरी जिले में परशुराम घाट है। फिलहाल यह 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इससे पहले काशीद के पास के क्षेत्र में भी औसतन 97 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इन दोनों भागों का निर्माण सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com